

असाधारणः... EXTRAORDINARY

भाग III—जुण्ड 1 PART III—Section 1

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

tio 2] No. 21 नई दिस्ती, शुक्रवार, जनवरी 25, 1985/माघ 5, 1906 NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 25, 1985/MAGHA 5, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती हैं जिससे कि यह असग संकलन के क्य में रक्षा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के अधीन मुचनाएं

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1985

निर्देण मं. आई. ए. मी./एक्यू.2/एस आर-1/4-84/40 — अत. मुझे, आर.पी.राजेण, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पण्चात् 'उकत श्रधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क. में श्रधिक हैं और जिसकी संख्या 4759 है तथा जो 5, इलाका त. 13, डिप्टो गंज, दिल्ली, में स्थित हैं (श्रीर इम्मे उगाबद अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्याव्य, दिल्ली में भारतीय रिजम्द्रीकरण श्रधिकारी के कार्याव्य, दिल्ली में भारतीय रिजम्द्रीकरण श्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख अप्रैल, 1984 को पूर्वोक्त सम्पति के उचिन बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथान

पूर्योक्ति सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1961 (1967 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/ किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

श्रतः, श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नि खित व्यक्तियों, अर्थातः :—

1. श्री जगदोश प्रताद अग्रवाल, नृपुत्र श्रीदेवी प्रसाद अग्रवाल, निवासी शालीभार वाग, दिल्ली, (श्रन्तरक)

2. श्री गुखदेव मुंघिया लुपुत श्री सकत्त लाल मुंघिया, निवानी-9720, गनी नीम बाली, नवाव गंज, दिल्ली । श्रीमनी संतोष जैंन धर्मपरेनी श्री ए.स. के. जैंन, निवासी 4801, डिप्टी गंज, दिल्ली (अन्तरिनी) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजेंन के लिए कार्यवाही मुक्त करता हूं । उक्त सम्पत्ति के श्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो बाद में समाप्त होती हो, के धीनर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किथी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20वा में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

24/100 हिस्सा, प्रौ.नं. 4759, प्लाट नं. 5, इलाना नं. 13, डिप्टो गंज, दिल्ली, लादादी-250 वर्गगत ।

Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II

Notices Under Section 269D (I) of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 22nd January, 1985

Ref. No IAC/Acq II/SR-1/1-84/40:— Whereas I, Sh. R.P. Rajesh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No 4759, Plot No. 5, situated at Deputy Ganj, Illaqa No. 13, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on April, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration

for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferce (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Jagdish Prasad Aggarwal, S/o Sh. Devi Prasad Aggarwal, Shalimar Bahgh, Delhi

(Transferor).

(2) Sh. Sukhdev Mungia S/o Sh. Chhakan Lal Bhugia, 9720, Gali Neemwali, Delhi. Smt. Santosh Jam, W/o Sh. S.K. Jain, 4801, Deputy Ganj, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 24/100 undivided share No. 4759, Plot No. 5, Deputy Ganj, Illaqa No. 13, Delhi Mg. 250 Sq. Yds.

निर्देश सं. आई.ए.सी./एवयू. 2/एम-आर-1/4-84/41:- ग्रत. मुझे, आर.पी.राजेश. ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के ग्रिधीन सक्षम ग्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उपित बाजार मूल्य 25,000/- में. संग्रिधिक हैं ग्रीर जिसकी संख्या 4759 है तथा जो 5 डिप्टी गंज, इनाका नं. 13, दिल्ली, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुस्वी में पूर्व इप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन अप्रैल, 1984 को

पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्य-मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की ई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित से वास्नविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई कियी आय की बाबत, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमें बचने में मृतिधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए.

भ्रत: भ्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-प की उप धारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रषीत् :---

 श्री जयनारायण प्रमाध मुगुन्न श्रीदेवो प्रसाद, निवासी ग्रेटर कैनाम पार्ट-1, नई (धल्नी,

(अन्तरक)

2. श्री सृखदेव मुधिया सुपुत्र श्री चक्कन लाल मुधिया, निवासी-9720, गली नीभवाली, नवाब गंज, दिल्ली, श्रीमती सर्तोप जैंग धर्मपत्नी श्री एम.के. जैन निवासी-4801, डिप्टो गंज, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रक्षोहतालिंश के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्टीकरण:--इमर्गे प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रीधितयम, 1961 (1961 का 43) के

प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24/100 हिस्सा, प्रो.न.4759, प्लाट न.5, डिप्टो गंग, इलाका न. 13, दिल्ली, तत्सादी-250 वर्गगज,

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/4-84/41 :-- Whereas I, Sh. R.P. Rajesh being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No 4759 Plot No. 5, situated at Deputy Ganj Illaqa No. 13, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on April, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. I hereby initiate proceedings for acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Jai Narain Prasad S/o Sh. Devi Prasad, Greater Kailash Part-I, New Delhi, (Transferor)
- (2) Sh. Sukhde Mungia S/o Sh. Chhakkan Lal Mungia, 9720, Guli Neemwali, Nawabganj, Delhi. Smt. Santosh Jain w/o Sh. S.K. Jain, 4801, Deputy Ganj, Delhi (fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

24/100 share in property No. 4759, Plot No. 5, Deputy Ganj, Illaqa No. 13, Delhi, Mg. 250 Sq. Yds.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एकपू. 2/एस-आर-1/4-84/ .59:---ग्रतः मुझे, आर.पी.राजेश ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्था-वर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू मे ग्रधिक है ग्रौर जिसकी संख्या 4759 है तथा जो डिप्टी गंज, इलाका न. 13, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपा-बद्ध श्रनसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दुश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ। पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से श्रधिक है और प्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रोर शन्तारती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप स कथित नही किया गया हैं ---

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत, श्रामकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) एंसी किसी भ्राय या किसी भ्रन या भ्रन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-नर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

स्रतः स्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के भनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा(1) के स्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भगीत्:--

- 1. श्रीमती राज कुमारी अग्रवाल धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री जयन्ती प्रमाद अग्रवाल निवत्मी-सी-430, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, सोल ट्रस्टि गौतम फैमलि ट्रस्ट, (श्रन्तरक)
- श्री मुखदेव मुधिया सुपृत्न श्री चन्तन लाल मुधिया, निवामी 9720, गली नीम वाली, नवाय गंज, दिल्ली,

श्रीमती संतोष जैन धर्म परनी श्री एस.के.जैन, निवासी-4301, खिच्टी गंज दिल्ली, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की प्रविध, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख़ कैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गध्दों और पदों का, जो भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याम 20 क में यथा परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24/100 हिस्सा, प्री.न. 4759, प्लाट न. 5, डिप्टी गंज, इलाका न. 13, दिल्ली, त(द(दी-250 वर्ग गज,

Ref. No IAC/Acq. II/SR-1/4-84/59 :- Whereas I, Sh. R.P. Rajesh being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 4759, Plot No. situated at Deputy Ganj, Illaga No. 13, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on April, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferce (s) not has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raj Kumari Aggarwal w/o Late Sh. Jayanti Prasad Aggarwal, C-430, Defence Colony, New Delhi sole trustee of Gautam Family Trust. (Transferor)
- (2) 1. Sh Sukhdev Mugia s/o Sh. Chakkan Lal Mugia 9720, Gali Neemwali, Nawab ganj Delhi,
 2. Smt. Santosh Jain, w/o Sh. S.K. Jain, 4801, Deputy Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

24/100 shares of property No. 4759 Plot No. 5, Deputy Ganj, Illaga No. 13, Delhi Mg. 250 sq. yds.

निर्देश सं , आई , ए , सी . / एक्यू . / 2/एस-आर-1/4-84/61: -अतः, मुझे आर. पी. राजेंश आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उयत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/~ म. से अधिक है ग्राँर जिसकी संख्या 4759 है तथा जो 3, डिप्टी गंज, इलाका नं. 13, दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे अपाबक्क अन-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1984 की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृह्य से कम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देण्यों से यक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या
- (ख) ऐसे किसी आयं या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः, श्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं उन्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रयीत :--

- 1. श्रीमती विजय अग्रवाल धर्मपत्नी स्वगीय श्री जगत प्रसाद प्रदीप अग्रवाल, प्रणव- अग्रवाल स्पुन श्री जगत प्रसाद, श्रीमती निरजा बंसल पिता का नाम श्री जगत प्रसाद, धर्मपत्नी श्री प्रवन-क्षार बंसल द्वारा अटारनी श्री सुभाष चन्द्र जैन स्पुत्र श्री बीरज लाल जैन, निवासी 39, हनुमान रोड, नई दिल्ली, (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मुखदेव मुंधिया सुपुती श्री नक्कन लाल मुधिया निवासी ~9720, गली नीमवाली, नवाबगंज, दिल्ली, श्रीमती संतौप जैन धर्मपत्नी श्री. एस. के. जैन, निवासी-4801, डिप्टी गंज, दिल्ली, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाही मुक्त करता हूं। उक्त सम्पति के ध्रर्जन के सम्बन्ध में कीई भी भ्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में यथा परिभाषित है, बही ग्रथें होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्वा

24/100 हिस्सा, घी. नं. 4759, प्लाट नं. 5, डिप्टी गंज, इलाका नं. 13, दिल्ली, तादादी-250 वर्ग गज।

Ref. No. IAC/Acq/II/SR-1/4-84/61 :--Whereas I, Sh. R. P. Rajesh being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/- and bearing No. 4759, Plot No. 5, situated at Deputy Ganj. Illaga No. 13, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer on April, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the landing right value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Vijay Aggarwal w/o Late Sh. Jagat Pérshad, Pradeep Aggarwal, Pranav Aggarwal both sons of Sh. Jagat Pershad, Smt. Neerja Bansal d/o Sh. Jagat Pershad, and w/o Sh. Pawan Kumar Bansal through her attorney Sh. Subhash Chand Jain s/o Sh. Brij Lal Jain (General Attorney), 39 Hanuman Road, Delhi (Transferor)
- (2) Sh. Sukhdev Mungia s/o Chhakkan I.al Mungia, 9720, Gali Neemwali, Nawabhani, Delhi Smt. Santosh Jain w/o Sh. S.K. Jam, 4801, Deputy Ganj, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. (24,100 share) 4759, Plot No. 5, Deputy Gani, Illaga No. 13, Delhi Mg. 250 Sq. Yds.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एम-आर-1/4-84:--अपः, मुझे, आर. पी. राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करो का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका जीवत बाजार मृत्य 25000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 4759 है नया जो 5, इलाका न. 13, डिप्टा गंज, दिल्ली, में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बीणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजि-स्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1984 को पूर्वोक्त गमाति के उांचत बाजार मृत्य से कम से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वास वारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहु प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिये ग्रौर/या ;
- (ख) ऐस किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था. छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः, ग्रव, युक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मे, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :--

- श्रीमती काली देवी धर्मपत्नी थी देवी प्रगःद निवासी 225, मुखदेव विहार, नई दिल्ली, (अन्तरक)
- (1)श्री सुखदेव मुधिया मुपुत चक्रत लाल मुधिया, निवामी-9720, गली नीम वाली, नवाब गंज, दिल्ती, (2)श्रीमती संतोष जैन धर्मपत्नी श्री एस के. जैन, निवामी 4801, डिप्टी गंज धिल्ली, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप .--

 (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील में 45 दिन की श्रविध, या तत्राम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदी का. जो आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में यथा परिभाषित है, बही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

्य/100 हिम्सा प्रौ. न. 4759, प्लाट नं 5, इलाका. न. 13, डिप्टी गंज दिल्ली नाहादी 250 वर्ग गज.

> आर व्यक्ति राजेण, सक्षम अधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2

Ref. No IAC/Acq.II/SR-1/4-84: -Whereas T, Sh. R.P. Rajesh being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 4759, Plot No. 5, situated at Deputy Ganj, Illaga No. 13, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the registering Officer on April, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under

the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kali Devi w/o Sh. Devi Prashad, 225, Sukhdeo Vihar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Sukhdev Mungia s/o Chhakkan Lal Mungia, 9720, Gali Neemwali, Nawabgan, Delhi Smt. Santosh Jain w/o Sh. S.K. Jain 4801, Deputygani, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 4/100 share No. 4759 Plot No. 5, Deputy Ganj, Illaga No. 13, Delhi,

R.P. RAJESH, Competent Authority, (Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax) Acquisition Range II)